

ग्यारह गणधर तप

यह तप करने से अक्षय सुख की प्राप्ति होती है। इस तप में ग्यारह दिन एकांतर उपवास व पारणा करें।

1. **11 प्रदक्षिणा (फेरी) एवं 11 खमासमण** लगायें।
(अ) फेरी लगाते हुए निम्न दोहा बोलें –
ध्याता आचारज भला, महामंत्र शुभ ध्यानी रे।
पंच प्रस्थाने आतमा, आचारज होय प्राणी रे॥
(ब) एक-एक फेरी लगाने के बाद निम्नलिखित पदों का क्रमशः उच्चारण करते जायें।

1.	श्री इन्द्रभूति जी गणधराय नमः
2.	श्री अग्निभूतिजी गणधराय नमः
3.	श्री वायुभूतिजी गणधराय नमः
4.	श्री व्यक्तभूतिजी गणधराय नमः
5.	श्री सुधर्मास्वामीजी गणधराय नमः
6.	श्री मंडितस्वामीजी गणधराय नमः
7.	श्री मौर्यपुत्रजी गणधराय नमः
8.	श्री अकम्पितजी गणधराय नमः
9.	श्री अचलजी गणधराय नमः
10.	श्री मेतार्थ्यजी गणधराय नमः
11.	श्री प्रभवजी गणधराय नमः

(स) प्रत्येक पद का उच्चारण करने के पश्चात् खमासमण दें।

ग्यारह गणधर तप

यह तप करने से अक्षय सुख की प्राप्ति होती है। इस तप में ग्यारह दिन एकांतर उपवास व पारणा करें।

1. **11 प्रदक्षिणा (फेरी) एवं 11 खमासमण** लगायें।
(अ) फेरी लगाते हुए निम्न दोहा बोलें –
ध्याता आचारज भला, महामंत्र शुभ ध्यानी रे।
पंच प्रस्थाने आतमा, आचारज होय प्राणी रे॥
(ब) एक-एक फेरी लगाने के बाद निम्नलिखित पदों का क्रमशः उच्चारण करते जायें।

1.	श्री इन्द्रभूति जी गणधराय नमः
2.	श्री अग्निभूतिजी गणधराय नमः
3.	श्री वायुभूतिजी गणधराय नमः
4.	श्री व्यक्तभूतिजी गणधराय नमः
5.	श्री सुधर्मास्वामीजी गणधराय नमः
6.	श्री मंडितस्वामीजी गणधराय नमः
7.	श्री मौर्यपुत्रजी गणधराय नमः
8.	श्री अकम्पितजी गणधराय नमः
9.	श्री अचलजी गणधराय नमः
10.	श्री मेतार्थ्यजी गणधराय नमः
11.	श्री प्रभवजी गणधराय नमः

(स) प्रत्येक पद का उच्चारण करने के पश्चात् खमासमण दें।

2. **11 साधिया** करके ऊपर 1 नग फल (केला, सेव, नाशपत्ती, श्रीफल, बादाम आदि) तथा 11 नग नैवेद्य (चक्की, मखाने, चीरोंजी, साकर आदि) यथाशक्ति चढ़ायें।
3. 11 लोगस्स का **कायोत्सर्ग** करें।
4. **20 माला** फेरें (जल पीने के पहले 5 माला अवश्य फेरें)।

1.	श्री इन्द्रभूति जी गणधराय नमः
2.	श्री अग्निभूतिजी गणधराय नमः
3.	श्री वायुभूतिजी गणधराय नमः
4.	श्री व्यक्तभूतिजी गणधराय नमः
5.	श्री सुधर्मास्वामीजी गणधराय नमः
6.	श्री मंडितस्वामीजी गणधराय नमः
7.	श्री मौर्यपुत्रजी गणधराय नमः
8.	श्री अकम्पितजी गणधराय नमः
9.	श्री अचलजी गणधराय नमः
10.	श्री मेतार्थ्यजी गणधराय नमः
11.	श्री प्रभवजी गणधराय नमः

5. **चैत्यवंदन तथा देववंदन** करें।
6. यथासमय पच्चक्खाण लें।
7. जल लेने के पूर्व **पच्चक्खाण पारने की क्रिया** करें – इरियावहियं क्रिया, जयउसामिअ का चैत्यवंदन, मुंहपत्ती पडिलेहण आदि।

2. **11 साधिया** करके ऊपर 1 नग फल (केला, सेव, नाशपत्ती, श्रीफल, बादाम आदि) तथा 11 नग नैवेद्य (चक्की, मखाने, चीरोंजी, साकर आदि) यथाशक्ति चढ़ायें।
3. 11 लोगस्स का **कायोत्सर्ग** करें।
4. **20 माला** फेरें (जल पीने के पहले 5 माला अवश्य फेरें)।

1.	श्री इन्द्रभूति जी गणधराय नमः
2.	श्री अग्निभूतिजी गणधराय नमः
3.	श्री वायुभूतिजी गणधराय नमः
4.	श्री व्यक्तभूतिजी गणधराय नमः
5.	श्री सुधर्मास्वामीजी गणधराय नमः
6.	श्री मंडितस्वामीजी गणधराय नमः
7.	श्री मौर्यपुत्रजी गणधराय नमः
8.	श्री अकम्पितजी गणधराय नमः
9.	श्री अचलजी गणधराय नमः
10.	श्री मेतार्थ्यजी गणधराय नमः
11.	श्री प्रभवजी गणधराय नमः

5. **चैत्यवंदन तथा देववंदन** करें।
6. यथासमय पच्चक्खाण लें।
7. जल लेने के पूर्व **पच्चक्खाण पारने की क्रिया** करें – इरियावहियं क्रिया, जयउसामिअ का चैत्यवंदन, मुंहपत्ती पडिलेहण आदि।